हिंदी भवन संदेश

(हिंदी प्रचारिणी सभा का सूचना-पत्र)

हिंदी भवन – लोंग माउंटेन

Website: hindipracharinisabha.com --- Email: hindipracharinisabha@hotmail.com

वर्ष 5 अंक 10 जनवरी 2014

–भाषा गई तो संस्कृति गई –

संपादक / टंकन / सज्जा : यन्तुदेव बुधु

सम्पादकीय

बैठकाओं का पुनर्जागरण !

बैठका का शाब्दिक अर्थ है बैठने या मिलने-जुलने का कक्ष । 'बैठक' से बना 'बैठका' शब्द का मतलब यह भी होता है कि किसी विशेष कार्य के लिए मिलना । लेकिन मॉरिशस के परिप्रेक्ष्य में बैठका का अर्थ सायंकालीन पाठशाला से है । सप्ताहांत की पाठशालाओं को भी बैठका बताया जाता है । किसी बच्चे से पूछा जाए – "तुम बैठका क्यों जाते हो ?" तो उसका उत्तर यही हो-गा कि मैं बैठका में हिंदी पढ़ने जाता हूँ । वर्षों से चली आ रही बैठका की यह परम्परा देश के कई गाँवों में आज भी जीवित है ।

बैठका में हिंदी की पढ़ाई गिरमिटिया मज़दूरों ने शुरू की थी । पेड़ की छाया में, घास पर, बैठकर हिंदी भाषा का पठन-पाठन आरम्भ हुआ । धीरे-धीरे झोंपड़ियों में पढ़ाई होने लगी तथा काफ़ी समय बाद हिंदी भाषा की पढ़ाई सरकारी स्कूलों में पहुँची । पर बैठकाओं में शाम के समय बच्चे हिंदी पढ़ने जाते रहे । शिक्षक सेवा-भाव से ही बच्चों को भाषा सिखाने में लगे रहे ।

आज स्थिति बदल रही है । कई गाँवों में बैठका बन्द हो रहा है । क्यों ? कुछ अभिभावक अपने बच्चों को हिंदी की शिक्षा देना ज़रूरी नहीं समझते । वे यही सोचते हैं कि अंग्रेज़ी-फ्रेंच की पढ़ाई के लिए उन्हें काफ़ी समय नहीं मिलेगा । लेकिन यह सत्य नहीं है ।

.....(शेष पृष्ठ 2 पर)

इस अंक में पढ़िए :

– सम्पादकीय शेष	पृ –2
– हिंदी भवन विद्यालय प्रवेश	पृ –2
– परीक्षाएँ 2013	पृ –2
– छठी / प्रवेशिका के प्रथम 10 छात्रों के नाम	पृ –3
– सुगम हिंदी का प्रयोग कीजिए	पृ –3
– समावर्तन समारोह 2013	पृ –3
– पंकज पत्रिका के 20 वर्ष	पृ –4
– चित्रावली	पृ –4

वार्षिक संभावित गतिविधियाँ 2014

1– विद्यालय प्रवेश ---- शनिवार 11 जनवरी

2 – ज़िलाध्यक्षों की बैठक ---- शनिवार 18 जनवरी

3 – बृहद अधिवेशन ---- शनिवार 29 मार्च

4 – कार्यशाला ---- 5, 12, 19 अप्रैल तथा 3 मई

5 – कविता वाचन प्रतियोगिता --- प्रथम चरण 17 मई
अंतिम चरण 7 जून

6 – परीक्षाओं का आवेदन --- क. प्रवेशिका 26, 27 अप्रैल
ख. सम्मेलन 31 मई तथा 1 जून
ग. अतिरिक्त 5 जुलाई

7 – स्थापना दिवस (प्रेमचन्द) ----- शनिवार 14 जून

8 – हिंदी दिवस (तुलसी जयन्ती)---- शनिवार 2 अगस्त

9 – कार्यशाला (उत्तमा III) ----- शुक्रवार 8 अगस्त

10 – परीक्षाएँ ----- क. छठी : शनिवार 20 सितम्बर
ख. प्राथमिक : 15 अक्तूबर से
ग. प्रवेशिका : 15 नवंबर
घ. सम्मेलन : 15 से 19 दिसंबर

11 – समार्वतन समारोह ---- 6 दिसंबर

(.....पृष्ठ 1 से शेष)

सम्पादकीय

माता-पिता को इस बात का ज्ञान नहीं है कि हिंदी भाषा के साथ धर्म और संस्कृति भी जुड़ी हुई है। मेरा निवेदन आप अध्यापकों तथा अभिभावकों से है कि आपको इस बात पर ज़रूर विचार करना चाहिए। अगर सम्भव हो तो बैठकाओं में पढ़ाई के दिन तथा समय में भी परिवर्तन लाया जा सकता है ताकि आप ज्यादा से ज्यादा छात्रों को जुटा सकें।

कुछ बैठकाओं में बहुत बढ़िया तरीके से काम हो रहा है। छात्रों को पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र वितरण के लिए वार्षिकोत्सव मनाया जाता है। कई संस्थाओं में पढ़ाई से पहले सुबह में यज्ञ भी किये जाते हैं। उत्तर प्रान्त की एक पाठशाला में पढ़ाई से पहले कभी यज्ञ होता है तो कभी भजन-कीर्तन आदि धार्मिक शिक्षा भी दी जाती है। वहाँ के बच्चे एक अलग सी पोशाक पहनकर पढ़ने जाते हैं। ऐसा अनुशासन देखकर वहाँ के अभिभावक अति प्रसन्न होते हैं। उस संस्था के संचालक श्रीमान और श्रीमती सुकन हैं। उनकी संस्था द्वारा पढ़ाई प्रो. रामप्रकाश सरकारी पाठशाला में शनिवार को होती है।

ऐसी संस्थाओं में माँ-बाप अपने बच्चों को भेजना ज़रूर पसन्द करेंगे। मेरा संकेत आप संस्था के संचालक, अध्यापक तथा अभिभावकों की ओर है। मुझे पूर्ण आशा है कि आप इन बातों पर अवश्य ही विचार करेंगे। हमें बैठकाओं का पुनर्जागरण करना ही होगा। ■

यन्तुदेव बुधु
प्रधान-हिंदी प्रचारिणी सभा

हिंदी भवन-विद्यालय प्रवेश

वर्ष 2014 के लिए हिंदी भवन में पढ़ाई 11 जनवरी को शुरू हुई। पिछले कई वर्षों से भवन में जगह की कमी की वजह से प्रवेशिका तथा परिचय कक्षा की पढ़ाई गाँव की महावीर फुगवा सरकारी पाठशाला में हो रही है।

हिंदी भवन में प्राथमिक I-VI तक तथा माध्यमिक प्रथमा से उत्तमा III तक की पढ़ाई होती है। इस वर्ष से हिंदी भवन में पढ़ने वाले छात्रों के लिए टंकन प्रशिक्षण का भी प्रावधान किया गया है। अतः इससे छात्र ज़रूर लाभ उठाएँगे। आज छात्रों के लिए संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी का ज्ञान होना अवश्यक हो गया है। ■

– परीक्षाएँ 2013 –

सभा द्वारा आयोजित वार्षिक परीक्षाओं का आरम्भ छठी कक्षा की परीक्षा के साथ 21 सितंबर 2013 को हुआ। बाकी प्राथमिक कक्षाओं की परीक्षा 15 अक्तूबर से शुरू हुई। प्रवेशिका परीक्षा 16 नवम्बर को हुई तथा सम्मेलन की परीक्षाएँ 16 से 20 दिसंबर तक चली।

परीक्षा के बाद प्रवेशिका के उत्तर-पत्रों का संशोधन कार्य हिंदी भवन में कुशलता पूर्वक हुआ और परीक्षार्थियों को परीक्षा-फल भी प्रेषित कर दिये गये। इस परीक्षा में कुल 1171 छात्रों ने भाग लिया और सफलता की दर 71 प्रतिशत रही।

सम्मेलन की परीक्षाओं का आयोजन मॉरिशस के इन केंद्रों में हुआ था : मॉरिशस कालेज, क्यूर्पिप कालेज, रेने-साँस कालेज, मोर्डन कालेज, युनिवर्सल कालेज, इंटरनैशनल कालेज, सुंदर मनराखन कालेज तथा हिंदी भवन। सभी केंद्रों में परीक्षाएँ सुचारु रूप से हुईं। परीक्षा के दौरान सभा के प्रधान श्री बुधु तथा कोषाध्यक्ष श्री रामदीन ने इन सभी केंद्रों का दौरा किया था। सभी केंद्राध्यक्षों से मिलकर परीक्षा संबंधी जानकारी ली गई।

इन परीक्षाओं में भाग लेने वालों की संख्या इस प्रकार है :-

परीक्षा	संख्या
परिचय	624
प्रथमा	473
मध्यमा	308
उत्तमा I	217
उत्तमा II	163
उत्तमा III	178

सम्मेलन की परीक्षाओं के उत्तर-पत्र डाक द्वारा भारत के इलाहबाद विश्वविद्यालय दिसंबर के अंत में भेज दिये गये। आशा है कि परीक्षा-फल मार्च महीने के अंत तक प्राप्त हो जाएगा। हर साल की तरह इन परीक्षाओं में उत्तीर्ण छात्रों को हिंदी दिवस के अवसर पर प्रमाण पत्र दिये जाएँगे। प्रथम दस में स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों को पुरस्कृत किया जाता है तथा प्रोत्साहन के लिए सभा की ओर से उन छात्रों को नकद राशि भी दी जाती है। ■

छठी/प्रवेशिका के प्रथम 10 छात्रों के नाम

छठी कक्षा :

	नाम		पता
1.	रामजुमन	लविश कुमार	मोंताई ब्लांश
2.	चुरामन	जेशना	सेबासतोपोल
3.	बिगु	उर्वशी	सेबासतोपोल
4.	रामशरण	मित्रा विन्दा	नुवेल फ्रांस
5.	बाबाजी	सुतीक्षा	क्रेवकेर
6.	गोकुल	दीया	कारच्ये मिलितेर
7.	सुदामिया	जेशना	लेसकालिये
8.	लक्ष्मी	शिवनिता	लालमाटी
9.	कोनहाय	राधिका देवी	लालमाटी
10.	बोयगा	विदुषी	रिव्येर जी रांपार

प्रवेशिका :

	नाम		पता
1.	रामसर्ण	भुवनेश	प्लेन दे रोश
2.	कालीचरण	रीधिमा	मों चीदा
3.	मुतुसामी	विदुषी	इलोत
4.	सुकारा	प्रियाशा	ब्रिज़े वेरदियेर
5.	हरिपोल	संजना	बोनाकेई
6.	घूरा	करूणानिधि	मोर्समां सें तान्द्रे
7.	बिसेसर	हेमा देवी	कात्र सेर
8.	भुदोय	मानसविनी	मोर्सल्मां सें तान्द्रे
9.	प्रयाग	भव्या	सेमें ग्रेन्यें
10.	प्रयाग	तरेशमा	मोर्सल्मां सें तान्द्रे

सुगम हिंदी का प्रयोग कीजिए ।

सुगम हिंदी पुस्तक-माला कड़ी I से VI तक तैयार है और हिंदी भवन में उपलब्ध है । आप अध्यापक बन्धुओं को सूचित किया जाता है कि वर्षान्त की परीक्षाओं के प्रश्न पत्र इन्हीं पुस्तकों पर आधारित होते हैं । अतः छात्रों को इन पुस्तकों से ज़रूर लाभ होगा । इन पुस्तकों की तैयारी के लिए काफी खोजपूर्ण कार्य किये गये हैं । हम छात्रों एवं अध्यापकों से यह निवेदन करते हैं कि अपनी पाठशालाओं में सुगम हिंदी पुस्तक-माला का ही प्रयोग करें । ■

समावर्तन समारोह 2013

(गणराज्य के राष्ट्रपति महामहिम राजकेश्वर प्रयाग)

7 दिसंबर 2013 को हिंदी भवन के सुरुज प्रसाद मंगर भगत सभागार में इस वर्ष का समावर्तन समारोह भव्य रूप से मनाया गया । उत्सव के मुख्य अतिथि हमारे गणराज्य के राष्ट्रपति महामहिम राजकेश्वर परयाग जी थे । उनके पहुँचते ही उत्सव का आरम्भ राष्ट्रगान से हुआ । मौके पर भारतीय उच्चायोग के दि्वतीय सचिव श्री मीमांसक, पी. पी. एस. श्रीमती कल्याणी जगू, पाँम्प्लेमूस ग्राम परिषद के अध्यक्ष श्री उचित, विश्व हिंदी सचिवालय के कार्यवाहक सचिव श्री गुलशन सुखलाल तथा भोजपुरी संगठन की अध्यक्षा श्रीमती सरिता बुद्धू उत्सव की शोभा बढ़ा रही थी । सभा के प्रधान श्री युन्तुदेव बुधु का स्वागत भाषण हुआ । प्रधान जी ने सभा का संक्षिप्त इतिहास प्रस्तुत करते हुए सभा के कार्यों का ज़िक्र किया तथा सभा के दाताओं के प्रति आभार प्रकट किया जिन्होंने हिंदी भाषा के प्रचार के लिए अपनी सम्पत्ति दान में दी ।

उस अवसर पर दो महानुभावों को "हिंदी प्रचारिणी सभा सम्मान" से विभूषित किया गया । वे हैं - श्री निरंजन बिगन तथा श्रीमती लीलामणि चुरामन । गणराज्य के राष्ट्रपति द्वारा सभा के वेब साइट की लोंचिंग की गई तथा भवन में एक कंप्यूटर कक्ष का भी उद्घाटन हुआ । इस वर्ष की छठी कक्षा तथा प्रवेशिका परीक्षा में प्राप्त दस प्रथम छात्रों को पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र वितरण किया गया ।

गणराज्य के राष्ट्रपति महामहिम श्री परयाग सभा के कार्यों से बहुत प्रसन्न हुए । उन्होंने सभा-भवन के सामने स्थित सभा के मुख्य दाता श्री रामदास रामलखन की प्रतिमा को एक पुष्प-माला अर्पित की । ■

'पंकज' पत्रिका के बीस वर्ष !

हिंदी प्रचारिणी सभा द्वारा प्रकाशित 'पंकज' पत्रिका के बीस वर्ष हो रहे हैं। पत्रिका के संपादक अजामिल माताबदल जी हैं। यह एक त्रैमासिक साहित्यिक पत्रिका है। यह पत्रिका देश के बैठकाओं तथा कालेजों के छात्रों तक पहुँचती है। 2013 के समावर्तन समारोह के अवसर पर मॉरिशस गणराज्य के राष्ट्रपति महाहिम राजकेश्वर परयाग द्वारा इस नये अंक का लोकार्पण हुआ। चित्र में साथ खड़े हैं राष्ट्रपति की बाईं ओर सभा के प्रधान श्री युतुदेव बुधु तथा दाईं ओर पत्रिका के संपादक श्री माताबदल। ■

चित्रावली : समावर्तन समारोह 2013 के अवसर पर लिये गए कुछ चित्र।